संख्याः-3/2015/176/60-2-15-2/3(27)/05टी.सी.

प्रेषकए

मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1-समस्त मण्डलायुक्त, उ0प्र0।
2-समस्त जिलाधिकारी, उ0प्र0।
3-समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उ0प्र0।

महिला एवं बाल विकास अनुभाग-2 लखनऊ, दिनांक 15 जनवरी, 2015

विषयः राज्य पोषण मिशन के प्रभावी कियान्वयन विषयक।

महोदय,

आप अवगत हैं कि राज्य सरकार द्वारा राज्य पोषण मिशन का गठन किया गया है। जनपद स्तर पर भी पोषण मिशन के सुचारु रुप से क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय समिति का गठन कर कार्यशील कर दिया गया है। राज्य सरकार द्वारा निर्गत शासनादेश दिनांक 06-11-2014 के क्रम में जिलाधिकारियों तथा मुख्य विकास अधिकारियों द्वारा अपने-अपने जनपद की दो-दो ग्राम सभाओं का चयन कर लिया गया है। साथ ही साथ राज्य पोषण मिशन के निर्देशों के क्रम में जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा भी दो-दो ग्राम सभाए गोद ली गयी है। राज्य पोषण मिशन के उददेश्यों की प्राप्ति हेतु समय-समय पर निर्देश निर्गत किये गये हैं। राज्य पोषण मिशन राज्य सरकार की अत्यन्त महत्वाकांक्षी योजना है, अतः पुनः इस बात पर बल दिया जाता है कि

http://shasanadesh.up.nic.in/

मिशन के कार्यक्रमों का संचालन गम्भीरता से किया जाए। इस उद्देश्य से निम्न का अनुपालन सुनिश्चित किया जायः-

1- राज्य पोषण मिशन द्वारा स्वास्थ्य, आई0सी0डी0एस0 एवं अन्य विभागों जैसे-बेसिक शिक्षा, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के मध्य कनवर्जेन्स एवं विभागीय समन्वय स्थापित कर कुपोषण की रोकथाम की जायेगी। स्वास्थ्य व आई0सी0डी0एस0 विभाग द्वारा चलाये जा रहें कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर पोषण के प्रभावी हस्तक्षेपों द्वारा निम्न चार लक्षित समूहों पर ध्यान केन्द्रित किया जायः-

1- गर्भवती महिलाएं

2- नवजात शिशु (जन्म से 28 दिन तक)

3- दो वर्ष तक के बच्चे

4- किशोरी बालिकाएं

2- उपरोक्त लक्षित समूहों के लाभार्थ राज्य सरकार द्वारा संचालित पोषण से सम्बन्धित निम्न कार्यक्रम का सघन अनुश्रवण सुनिश्चित किया जायः-

- गर्भवती महिलाएं-ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस (V.H.N.D) के दौरान मातृत्व स्वास्थ्य पोषण पर परामर्श, प्रसव पूर्व जांच (टी.टी. का टीका, रक्तचाप, हिमोग्लोबिन एवं पेशाब की जांच तथा वजन), पंजीरी एवं टेक होम राशन वितरण, आयरन फोलिक एसिड की गोलियों का सम्पूरण, जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव एवं धनराशि का वितरण।
- नवजात शिशु-गृह भ्रमण के दौरान माताओं को स्तनपान कराने हेतु परामर्श, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत मिलने

http://shasanadesh.up.nic.in/

वाले लाभ तथा कम वजन के बच्चों का चिन्हीकरण व आवश्यकतानुसार सन्दर्भन।

- 0-5 वर्ष आयु के बच्चे- ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस (V.H.N.D) के दिन सामुदायिक एवं संस्थागत आधारित शिशु स्वास्थ्य जांच एवं बाल पोषण सेवायें तथा सन्दर्भन, नियमित टीकाकरण सेवायें, बाल स्वास्थ्य पोषण माह (जून एवं दिसम्बर) के अन्तर्गत विटामिन-ए सम्पूरण, स्तनपान परामर्श, आयोडीन युक्त नमक का प्रचार प्रसार, आयरन एवं फोलिक एसिड सम्पूरण, मानकानुसार पंजीरी वितरण एवं पोषण पुर्नवास केन्द्र (एन0आर0सी0) में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी।
- किशोरी हेतु-साप्ताहिक आयरन एवं फोलिक एसिड सम्पूरण द्वारा एनीमिया से बचाव, स्वास्थ्य एवं पोषण परामर्श तथा पंजीरी वितरण।

3- उपर्युक्त योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन और कन्वर्जेन्स हेतु जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया जा चुका है। उक्त समिति की मासिक बैठक सुनिश्चित की जाये एवं बैठक में निर्णयों का अनुपालन कराया जाय।

4- ग्राम स्तर पर कुपोषण की रोकथाम हेतु लागू विभिन्न संस्थागत व्यवस्थायें उपलब्ध हैं, जिनको प्रभावी रूप से सशक्त किया जाना आवश्यक है। साथ ही समुदाय स्तर पर उपलब्ध निम्न संस्थागत व्यवस्थाओं द्वारा की जाने वाली गतिविधियों का प्रभावी अनुश्रवण किया जायेः-

- आंगनबाड़ी केन्द्र पर द्विवार्षिक सर्वे की स्थिति, साप्ताहिक टेक होम राशन दिवस, हाटकुक्ड मील, मासिक वजन एवं ग्रोथ चार्ट और कार्यकर्ती द्वारा दैनिक गृह भ्रमण।

http://shasanadesh.up.nic.in/

- आशा द्वारा बनाया गया ग्रामीण स्वास्थ्य सूचकांक रजिस्टर का (वी0एच0आई0आर0) का अधावधिक होना एवं उनके द्वारा किया जाने वाला नियमित गृह भ्रमण।
- ए0एन0एम0 द्वारा सम्पादित किये जाने वाले ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस (V.H.N.D) के दिन टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं व अन्य लक्षित समूहों की स्वास्थ्य जांच (रक्त चाप, हिमोग्लोबिन, पेशाब एवं वजन) की जाती है एवं पोषण सेवायें दी जाती है, इसमें आशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्री सहयोग करती है। अतः चयनित ग्राम सभाओं में अधिकारी भ्रमण, ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के दिन करने का प्रयास करें ताकि सभी समेकित सेवाओं का अनुश्रवण एक साथ किया जा सके।
- ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति (VHNSC) की मासिक बैठक-इस समिति के अध्यक्ष ग्राम प्रधान तथा ए0एन0एम0, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा एवं समुदाय के सक्रिय व्यक्ति इस समिति के सदस्य होते है। इस समिति को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा रू0 10,000/- वार्षिक untied fund के रूप में प्रदान किया जाता है। यह पोषण सम्बन्धी योजनाओं को सुचारू रूप से चलाने हेतु एक महत्वपूर्ण फोरम है। इस समिति की मासिक बैठक सुनिश्चित की जाय एवं समिति को प्राप्त धनावंटन का स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं हेतु उपभोग होने का अनुश्रवण किया जाय।

5- प्रस्तर-1 में वर्णित 4 लक्षित समूहों की जनपदवार संख्या ज्ञात करने हेतु राज्य पोषण मिशन द्वारा सर्वे के प्रारूप जनपदों को उपलब्ध कराये गये हैं। उक्त सर्वे के आधार पर वांछित सूचना निम्न समय सारिणी के अनुरूप उपलब्ध करायी जायः-

http://shasanadesh.up.nic.in/

1- जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा गोद ली गयी ग्राम सभाओं में सर्वेक्षण कराकर 04 लक्षित समूहों को चिन्हीकरण कर सूचना का प्रेषण दिनांक 05 जनवरी, 2015 तक करा दिया गया होगा।

2- जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा गोद ली गई ग्राम सभाओं की सूचना जिलाधिकारी द्वारा राज्य पोषण मिशन को 15 जनवरी, 2015 तक।

3- जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा गोद लिये गये गावों से इतर गावों की सूचना स्वास्थ्य एवं आई0सी0डी0एस0 के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए उनके द्वारा सर्वे के आधार पर जनपद की सभी ग्राम सभाओं के चार लक्षित समूहों की विकास खण्डवार सूचना 31 जनवरी, 2015 तक।

6- जिलाधिकारियों से अपेक्षा है कि जनपद में वर्तमान में विभिन्न विभागों में प्रयोग की जा रही आई0ई0सी0 सामग्री का अवलोकन कर लिया जाय। तत्पश्चात् सम्बन्धित विभागों के बजट की धनराशि से एकीकृत I.E.C. Campaign (Banner, Poster Leaflet आदि) की व्यवस्था की जाय। साथ ही इण्टर कालेज के छात्रों को प्रशिक्षित कर पोषण मिशन के उददेश्यों को नुक्कड़ नाटकों का मंचन कर जन सामान्य तक पंहुचाया जाय। नुक्कड़ नाटक के मंचन हेतु विभिन्न विभागों के पास पूर्व से बजट उपलब्ध है इस हेतु सूचना विभाग का भी सहयोग लिया जा सकता है।

http://shasanadesh.up.nic.in/

7- पोषण से सम्बन्धित फिल्मों का जन समुदाय में प्रदर्शन सिनेमा घरों, केबिल टीवी एंव प्रचार वाहनों के माध्यम से किया जाय। इस हेतु फिल्मों को पोषण मिशन की वेबसाइट www.snmup.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

राज्य पोषण मिशन के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु आवश्यक है कि जन समुदाय में जागरूकता उत्पन्न कर चिकित्सा स्वास्थ्य एवं आई0सी0डी0एस0 विभाग की सेवाओं को डिमाण्ड ड्रिवेन (Demand Driven) बनाया जाय। इस हेतु ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण समिति की एक अहम भूमिका है, जिसमें उक्त सेवाओं का सोशल आडिट किया जा सकता है। साथ ही ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस (V.H.N.D) माह का एक महत्वपूर्ण अवसर है जिस दिन स्वास्थ्य विभाग एवं आई0सी0डी0एस0 विभाग सम्मिलित रूप से लक्षित समूहों को सेवायें उपलब्ध कराते हैं।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण समिति (VHNSC) एवं ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (V.H.N.D) का प्रभावी अनुश्रवण कर राज्य पोषण मिशन के उददेश्यों की पूर्ति हेतु प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें।

भवदीय,

आलोक रंजन
मुख्य सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in/

पत्रांक 176(1)/60-2-15 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही प्रेषितः-

1- प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0शासन।

2- प्रमुख सचिव, पंचायतीराज, उ0प्र0 शासन।

3- प्रमुख सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, उ0प्र0 शासन।

4- प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास, उ0प्र0 शासन।

5- सचिव, बेसिक शिक्षा, उ0प्र0 शासन, लखनऊ।

6- आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ0प्र0।

7- आयुक्त, खाद्य एवं रसद, उ0प्र0।

8- महानिदेशक, राज्य पोषण मिशन, उ0प्र0।

9- प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0।

10- महानिदेशक, परिवार कल्याण, उ0प्र0।

11- निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उ0प्र0।

12- निदेशक, पंचायतीराज, उ0प्र0।

13- निदेशक, बेसिक शिक्षा/माध्यमिक शिक्षा, उ0प्र0।

14- समस्त जिला कार्यक्रम अधिकारी, उ0प्र0।

आज्ञा से

सदाकान्त

प्रमुख सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in/